सावेरि रागम् आदिताळम्

पल्लवि
विनुमनि श्रीरामुडु ता बलिकेनु विशदमुगा जेरि

अनुपल्लवि
जनकजचे विन्न यनिलजनिकि ज्ञान
जनक मौनट्लुगानु मोदमुतोनु

चरणम्–१
समतनु आत्मनात्मपरात्मल जाडलु त्रिविधमुलु
पवनज ममताहङ्कार कर्तृत्वमुलन मदिनय्यदियात्म
रमणननृत जडदुःखमुलनु नीरसमयिनदि अनात्म
नित्यमु विमलमु सत्यज्ञानानन्दात्मकमिदिये परात्म महात्मा

चरणम्–२
परममैन ई युपदेशमु गोप्यमिदि, भक्तिलेनिवारिकि
अरय निन्द्रराज्यमोसङ्गिन निय्यकुमिदि भवहरमु
गरिमनखिल वेदान्तसार सङ्ग्रहमु शुभावहमु, कनुगोनु
सुरुचिर शेषाचलशिखर निवासुडनै भुविलोनु वेलसिनानु